

Power Crisis in Rajasthan

962. SHRI SATISH AGARWAL: Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Rajasthan is facing an unprecedented power crisis today;

(b) if so, what is the short fall in supply from Badarpur Power Plant, Kota Atomic Plant and Madhya Pradesh to Rajasthan;

(c) what steps have been taken to augment supplies from these three sources; and

(d) in what way Government propose to keep up the interest of the cultivators and atleast keep the street lights on which in some parts of the State have been ordered to be put off?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHAUDHURY): (a) Rajasthan State has been facing shortage of Power due to severe drought conditions in the Northern Region and non-availability of 2 machines at Pong and outage of 220 MW unit at Rajasthan Atomic Power Plant at Kota. At present the power availability in the State is about 80 lakh units per day as against the requirement of about 160 lakh units per day.

(b) & (c). The power requirement of Rajasthan is met from the Rajasthan Atomic Power Plant, share of Rajasthan in Bhakra-Nangal complex, Dehar, Pong, Chambal Complex and Satpura thermal power station. The RAPP unit was on forced outage from the third week of January, 1980 and the unit is expected to return to service by about 20th March, 1980. Rajasthan has 50 per cent share in the out put of the Chambal complex and 40 per cent in the out put of Satpura thermal power station. However, due to power shortage in Madhya Pradesh, Rajas-

than had not been receiving a part of its share in Chambal-Satpura complex. There has been a shortage of about 7 lakh units per day in the supply of share from Satpura to Rajasthan. Arrangements have recently been made for supply of 4 lakh units per day to Rajasthan from M. P. However, it may not be possible for M.P. to make good the entire shortfall due to power shortage in M.P. Though there is no commitment, Badarpur is supply about 6 to 10 lakh units per day to Rajasthan.

(d) Although there are no notified power cuts in respect of power supply to the agricultural consumers in the rural areas of Rajasthan, the supply to those consumers is some time affected when the feeders supplying power to these consumers get disconnected during load shedding for regulating consumption in the State. The power situation is expected to improve substantially towards the end of third week of March, 1980 when the generating unit at Rajasthan Atomic Power Plant and 210 MW Unit at Badarpur are re-commissioned.

कोयले की सप्लाई में तेजी से गिरावट के कारण गुजरात के सामने बिजली का भारी संकट

963. श्री आर० पी० गायकवाड़ : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयले मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि कोयले की सप्लाई में तेजी से गिरावट के कारण गुजरात को बिजली के भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है और उससे बिजली उत्पादन ठप्प हो जाने का खतरा बन गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि राज्य में बड़े विद्युत संयंत्रों अर्थात् उकई, धुवरन, गोधीनगर और सवरामती विद्युत केन्द्रों पर बहुत असर पड़ा है ;

(ग) यदि हाँ, तो गत दो माह में इन विद्युत संयंत्रों की उनकी मींग के मुकामले किन्नरा कोयला दिया गया ; और

(ब) इन संयंत्रों की कुल प्रतिष्ठापित क्षमता के मुकाबले गत बी माह के दौरान कुल कितने यूनिटें बजली का उत्पादन हुआ ?

जाने के लिए क्वेम उड़ाए गए हैं। तारापुर का दूसरा यूनिट 20 मार्च तक पुनः चालू हो जाने की संभावना है। तत्पश्चात् स्थिति में सुधार होने की आशा है।

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) :

(क) और (ख) उकई जल विद्युत जलाशय में जल कम हो जाने पुनः ईंधन डालने के लिए तारापुर केन्द्र बंद कर दिए जाने और ताप विद्युत केन्द्रों को कोयले की अपर्याप्त सप्लाई होने के कारण गुजरात इस समय ऊर्जा की कमी का सामना कर रहा है। ताप विद्युत केन्द्रों को कोयले की सप्लाई में और वृद्धि करने के लिए और धुवरण विद्युत केन्द्र को अतिरिक्त तेल ईंधन की सप्लाई किए

(ग) गुजरात में इन विद्युत संयंत्रों की कोयले की आवश्यकताओं और प्राप्ति को दर्शाने वाला वितरण संलग्न (विवरण-एक) है।

(घ) गुजरात के बृहत् ताप विद्युत संयंत्रों की कुल प्रतिष्ठापित क्षमता और उसकी तुलना में फरवरी, 1980 के दौरान हुए कुल विद्युत उत्पादन की मात्रा यूनिटों में दिखाने वाला विवरण संलग्न (विवरण-दो) है।

विवरण I

गुजरात के ताप विद्युत केन्द्रों में जनवरी और फरवरी, 1980 की अवधि में कोयले की आवश्यकताओं और प्राप्ति को दिखाने वाला विवरण

ताप विद्युत केन्द्र का नाम		जनवरी, 1980	फरवरी, 1980
साबरमती	आवश्यकता	90,000	100,000
	प्राप्ति	6,000	84,000
धुवारण	आवश्यकता	25,000	10,000
	प्राप्ति	4,000	1,000
गांधीनगर	आवश्यकता	50,000	60,000
	प्राप्ति	38,000	48,000
उकई	आवश्यकता	105,000	120,000
	प्राप्ति	80,000	115,000

विवरण II

गुजरात के बृहत् ताप विद्युत संयंत्रों की कुल प्रतिष्ठापित क्षमता और उसकी तुलना में फरवरी, 1980 के दौरान हुए कुल विद्युत उत्पादन की मात्रा यूनिटों में दिखाने वाला विवरण

ताप विद्युत केन्द्र का नाम	कुल प्रतिष्ठापित क्षमता (मेगावाट में)	फरवरी, 1980 के दौरान उत्पादित यूनिटों की संख्या (मिलियन यूनिट में)
अहमदाबाद	12.5 (लगातार हुई क्षमता 588)	130.28
धुवारण	(2 × 27 मेगावाट गैस टवाईट शामिल करके)	267.32*
गांधी नगर	240	111.30
उकई	640	188.25

* सारा उत्पादन तेल और गैस से हुआ है।